of Parliament could be finalised and final reply could be sent to them. For the same reason, it may not be appropriate to treat this time taken by the Ministers to send reply as an indication of breach of privilege.

प्रधान मंत्री कार्यालय में स्थापित भ्रष्टाचार रोध सेल

2556. **श्री दिलीप सिंह जूदेव:** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) संयुक्त मोर्चा के शासन काल में प्रधान मंत्री कार्यालय में स्थापित भ्रष्टाचार रोधी सेल की स्थापना कब की गई थी;

(ख) इस सेल की स्थापना के उद्देश्य क्या थे;

(ग) 28.02.1999 तक इस सेल में भ्रष्टाचार के कितने प्रकरण विभाग-वार प्राप्त हुए; और

(घ) उन पर की गई कार्रवाई एवं सेल की वर्तमान स्थिति का ब्यौरा क्या है?

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा वित्त (बैंकिंग, राजस्व और बीमा) मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री कादम्बूर एम.आर. जनार्दनन): (क) इस बारे में पूर्व प्रधान मंत्री द्वारा घोषणा किए जाने के तत्काल पश्चात् ही, प्रधान मंत्री के कार्यालय में दिनांक 17.08.1997 को भ्रष्टाचार निरोधी एकक को स्थापित कर दिया गया था।

(ख) इस एकक का उद्देश्य, भ्रष्टाचार-निरोध संबंधी शिकायतों और मामलों को प्रभावी ढंग से लगातार आगे बढ़ाते रहना और उन पर नज़र रखे रहना है।

(ग) और (घ) शिकायतों संबंधी ब्यौरा अनुपत्र में दिया गया है। देखिए परिशिष्ट 186, अनुपत्र संख्या 46,

सभी शिकायतें प्रत्येक संबंधित मंत्रालय/विभाग में संयुक्त सचिव के स्तर के पदनामित नोडल अधिकारियों को भेज दी जाती हैं। उपर्युक्त नोडल अधिकारी, एकक द्वारा उन्हें भेजी गई भ्रष्टाचार संबंधी शिकायतों के समन्वयन के उत्तरदायी होते हैं। संबंधित मंत्रालय/विभाग, भ्रष्टाचार के सभी मामलों की यथा आवश्यक समय-बद्ध जांच-पड़ताल और उनका अन्वेषण करवाने के उत्तरदायी, अपने सचिव द्वारा अनुमोदित प्रतिपुष्टि-परक (फीड बैक) रिपोर्टें पाक्षिक रूप से (हर पखवाड़े में) प्रधान मंत्री के कार्यालय को प्रस्तुत करते हैं।

प्रधान मंत्री कार्यालय को प्राप्त हुई शिकायतें

2557. **श्री ईश दत्त यादव:**

चौधरी हरमोहन सिंह यादव:

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) प्रधान मंत्री कार्यालय द्वारा प्रतिमाह औसतन कितनी लोक शिकायतें प्राप्त की जाती हैं;

(ख) कितनी शिकायतों का निवारण किया गया और कितनी शिकायतें लंबित पड़ी हैं;

(ग) यह शिकायतें किस प्रकार की हैं;

(घ) क्या सरकार का ब्लाक-स्तर पर सार्वजनिक शिकायतें निवारण मशीनरी स्थापित करने का प्रस्ताव है; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा वित्त (बैंकिंग, राजस्व और बीमा) मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री कादम्बूर एम.आर. जनार्दनन): (क) प्रधान मंत्री कार्यालय में दिनांक 1.4.98 से 28.2.99 के दौरान प्रत्येक माह प्राप्त हुई लोक शिकायतों की औसत संख्या 10,833 थी।

(ख) प्राप्त हुई सभी शिकायतों की, बिना अपवाद के, छान-बीन की जाती है और इन्हें समुचित कार्रवाई के लिये संबंधित प्राधिकारियों को भेज दिया जाता है।

(ग) लोक शिकायतों का संबंध मुख्यत: बेरोजगारी, अपर्याप्त एवं घटिया नागरिक सुविधाओं, वित्तीय सहायता, कानून और व्यवस्था आदि से होता है।

(घ) और (ङ) राज्य, जिला और ब्लाक स्तर पर प्राप्त शिकायतों पर कार्रवाई और उनका निवारण मुख्यत: राज्य सरकारों द्वारा किया जाता है। राज्य सरकारों को यह सुझाव देते हुए पत्र लिखे गए हैं कि वे राज्य, जिला, ब्लाक और तालुका के सभी स्तरों पर उपयुक्त लोक शिकायत निवारण तंत्र स्थापित करें। अलग-अलग राज्य सरकारों द्वारा विभिन्न स्तरों पर विभिन्न प्रकार के शिकायत निवारण तंत्र स्थापित किए गए हैं।

Foreign Training of Government Officials

2558. SHRI GANDHI AZAD: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether applications received in response to Department of Personnel and Training letter dated 26th February, 1998 regarding foreign training have been processed;

(b) in view of the proclaimed policy of transparent administration, whether the criteria is based on seniority and/or performance vis-a-vis various services of Government of India; and

(c) what are the steps taken by Government to ensure proper representation of the CSS and specially those officers who have never been sent on foreign training in spite of their requests and have become over-aged for the purpose?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (BANNKING, REVENUE AND INSURANCE) (SHRI KADAMBUR M.R. JANARTHANAN):

(a) The Department of Personnel and Training by letter dated 26.2.1998, had invited nomination of officers belonging to Indian Administrative Service, Central Secretariat Service and such officers of the other two All India Services (IPS) and (IFS) and Central Group 'A' Services, who are serving on deputationn under Central Staffing Scheme, for various trainig programmes abroad, to be held during 1999-2000. Applications of officers have been received from the various State Governments/Ministries and Departments of Governments of India. So far, this Department has finalised nominations for the Long Term Courses in Australia/ENA course in france/the National Defence College Course, and short term courses at IDS Sussex in UK/a few courses to be conducted by IMF at Washington and PEERS course conducted by Tata Energy Research Institute.

(b) Applications of officers belonging to the Services falling under the purview of DOPT Training Circular, are processed by this Department for various training programmes abroad, keeping in view certain criteria, which include seniority and assessment of service record subject also to adequate representation to members of SC/ST/OBC/Women officers/ various cadres/Services etc. and also specific course options of the officers.

(c) The Department of Personnel and Training considers CSS officers of level of under Secretary and above, alongwith officers of other Services falling within the zone of consideration of this Department, keeping in view certain eligibility criteria like seniority, merit, upper age limit etc. as also the suitability of the officers for the specific programmes. While nominating officers belonging to the eligible Services, including the CSS, preference is given to those officers who have not attended any foreign training in the past, over others who have attended such traininng programmes, subject to fulfilment of the eligibiltiy criteria and suitability.

The upper age limit generally prescribed by this Department for long term programmes is 45 years and for short term courses is 50 years. However, for certain courses the upper age limits are at variance with the above general limits. For example, the upper age limits for short term courses conducted by IMF TERI are 45 years and 40 years respectively. Normally nominations are made as per the prescribed upper age limit. Relaxation of upper age limit is accorded in very exceptional circumstances in such borderline cases where oficers have not attended any training programme in the past.

Acts regulating recruitment and conditions of Central Services

2559. SHRI GANDHI AZAD. Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) to what extent laws, i.e. Acts of Parliament regulating recruitment and conditions of various Central Services as envisaged in Article 309 have been passed by the Parliament and what are the services not covered by such Acts of Parliament;

(b) in case there is a shortfall, what steps Government have taken to ensure implementation of this Constitutional Provision;

(c) whether this lacunae is one of the contributing factors to ever increasing litigation in services matters; and

(d) what are the steps taken to legislate on various services with a view to bringing in transparency in administration?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC